आयुर्वेद से सम्बन्धित वस्तुनिष्ठ प्रश्न

डा० धनञ्जय वासुदेव द्विवेदी

सहायक प्रोफेसर, संस्कृत विभाग,

डा० श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, राँची

1. सुश्रुत के अनुसार आयुर्वेद किस वेद का उपवेद है-

(अ) अथर्ववेद (ब) यजुर्वेद (स) सामवेद (द) इनमें से कोई नहीं

2. किस पुराण में आयुर्वद को पञ्चम वेद कहा गया है-

(अ) नारदपुराण (ब) पद्मपुराण **(स) ब्रह्मवैवर्तपुराण** (द) स्कन्दपुराण

3. ज्ञानेन्द्रियों की संख्या कितनी है-

(अ) चार **(ब) पाँच** (स) आठ (द) दश

4. कर्मेन्द्रियों की संख्या कितनी है-

(अ) पाँच (ब) छः (स) सात (द) चार

5. इनमें से कौन आयु का पर्याय नहीं है-

(अ) धारि (ब) जीवित (स) अनुबन्ध **(द) मरण**

6. आयु कितनी प्रकार की मानी गई है-

(अ) चार (ब) पाँच (स) सात (द) आठ

7. आयुर्वेद के कितने अङ्ग हैं-

(अ) पाँच (ब) बारह **(स) आठ** (द) दश

8. आयुर्वेद के आठ अङ्गों में प्रथमस्थानीय कौन है-

(अ) शल्यतन्त्र (ब) शालाक्यतन्त्र (स) वाजीकरण (द) कायचिकित्सा

9. शल्यचिकित्सा का सर्वप्रथम उल्लेख कहाँ प्राप्त होता है-

(अ) अथर्ववेद **(ब) ऋग्वेद** (स) सामवेद (द) महाभारत

10. पहला अङ्ग प्रत्यारोपण किसके द्वारा किया गया था-

(अ) अश्विनीकुमार (ब) इन्द्र (स) सवितृ (द) मरुत्

11. प्रवर्ग्य विद्या क्या है-

(अ) पैर जोड़ने की विधि **(ब) कटे सिर जोड़ने की विधि**

(स) नस की चिकित्सा (द) उदर चिकित्सा

12. संहिता ग्रन्थों में शल्यचिकित्सा का सर्वप्रधान ग्रन्थ कौन सा है-

(अ) भेलसंहिता **(ब) सुश्रुतसंहिता** (स) चरकसंहिता (द) हारीतसंहिता

13. इनमें से किसका सम्बन्ध शालाक्य तन्त्र से नहीं है-

(अ) नेत्रचिकित्सा (ब) कर्णचिकित्सा (स) नासिकाचिकित्सा **(द) उदरचिकित्सा**

14. शरीर में कितने प्रकार की अग्नियाँ होती हैं-

(अ) तेरह (ब) बारह (स) दश (द) तीन

15. आयुर्वेद का कौन सा अङ्ग बालकों की चिकित्सा से सम्बन्धित है-

(अ) वाजीकरण (ब) भूतविद्या (स) शल्य चिकित्सा **(द) कौमारभृत्य**

16. आयुर्वेद का कौन सा अङ्ग विष की चिकित्सा से सम्बन्धित है-

(अ) वाजीकरण (ब) भूतविद्या **(स) अगदचिकित्सा** (द) कौमारभृत्य

17. 'अगद'-यह संज्ञा किसकी दी हुई है-

(अ) सुश्रुत (ब) चरक (स) माधव (द) वाग्भट

18. महाभूतों की संख्या कितनी है-

(अ) चार (ब) छः (स) **पाँच** (द) दश

19. महाभूतों में सबसे गुरु कौन है-

(अ) आकाश **(ब) पृथिवी** (स) जल (द) अग्नि

20. महाभूतों में सबसे सूक्ष्म कौन है-

(अ) पृथिवी (ब) अग्नि (स) जल **(द) आकाश**

21. दोषों की संख्या कितनी है-

(अ) तीन (ब) चार (स) पाँच (द) छः

22. आयुर्वेद में रसों की संख्या कितनी है-

(अ) चार (ब) पाँच **(स) छः** (द) आठ

23. दूध में कौन सा रस प्रधान है-

(अ) मधुर (ब) तिक्त (स) कटु (द) अम्ल

24. नींबू में कौन सा रस प्रधान है-

(अ) लवण (ब) तिक्त (स) कषाय **(द) अम्ल**

25. पीपर में कौन सा रस प्रधान है-

(अ) मधुर **(ब) कटु** (स) अम्ल (द) कषाय

26. आँवला में कौन सा रस प्रधान है-

(अ) कषाय (ब) अम्ल (स) मधुर (द) लवण

27. आयुर्वेदीय धातुएं कितनी है-

(अ) सात (ब) आठ (स) दश (द) बारह

28. सप्तधातुओं में प्रथमस्थानीय कौन है-

(अ) रक्त **(ब) रस** (स) मेद (द) मज्जा

29. सप्तधातुओं में द्वितीयस्थानीय कौन है-

(अ) रक्त (ब) रस (स) वीर्य (द) मांस

30. सप्तधातुओं में तृतीयस्थानीय कौन है-

(अ) अस्थि (ब) रस **(स) मांस** (द) रक्त

31. सप्तधातुओं में चतुर्थस्थानीय कौन है-

(अ) वीर्य (ब) रस (स) मांस **(द) मेद**

32. सप्तधातुओं में पञ्चमस्थानीय कौन है-

(अ) अस्थि (ब) वीर्य (स) मेद (द) रस

33. सप्तधातुओं में षष्ठस्थानीय कौन है-

(अ) मज्जा (ब) रस (स) रक्त (द) मांस

34. सप्तधातुओं में सप्तमस्थानीय कौन है-

(अ) मज्जा (ब) रक्त **(स) वीर्य** (द) रस

35. मज्जाधातु कितने प्रकार की होती है-

(अ) दो (ब) चार (स) छः (द) आठ

36. सृष्टि से पूर्व आयुर्वेदीय ग्रन्थ की रचना करने वाले है-

(अ) विष्णु **(ब) ब्रह्मा** (स) महेश (द) इनमें से कोई नहीं

37. इन्द्र ने आयुर्वेद का उपदेश किस ऋषि को दिया

(अ) शौनक (ब) मैत्रेय **(स) भरद्वाज** (द) कपिञ्जल

38. आत्रेय पुनर्वसु के कितने शिष्य थे-

(अ) छः (ब) चार (स) पाँच (द) तीन

39. आचार्य चरक और दृढबल ने जिस संहिता का प्रतिसंस्कार किया, उसके रचयिता कौन थे-

(अ) पराशर **(ब) अग्निवेश** (स) भेल (द) क्षारपाणि

40. अग्निवेश की जिस संहिता का प्रतिसंस्कार किया गया, उसका वर्तमान समय में नाम क्या है-

(अ) चरकसंहिता (ब) सुश्रुतसंहिता (स) भेलसंहिता (द) माधवनिदान

41. उपलब्ध चरकसंहिता का स्वरूप कितने स्तरों पर पूर्ण हुआ है-

(अ) चार (ब) पाँच **(स) तीन** (द) दो

42. चरकसंहिता के आदि आचार्य है-

(अ) अग्निवेश (ब) धन्वन्तरि (स) दोनों (द) दोनों मे से कोई नहीं

43. उपलब्ध चरकसंहिता को सबसे पहले किस नाम से जाना जाता है-

(अ) अग्निवेशतन्त्र (ब) चरकसंहिता (स) अत्रिसंहिता (द) इनमें से कोई नहीं

44. दूसरे स्तर पर चरकसंहिता का नाम क्या था-

(अ) चरकसंहिता (ब) अग्निवेशतन्त्र (स) भेलसंहिता (द) माधवनिदान

45. तीसरे स्तर पर चरकसंहिता का प्रतिसंस्कार किसने किया

(अ) भेल (ब) हारीत (स) माधव **(द) दृढबल**

46. चरकसंहिता के सूत्रस्थान में कितने अध्याय हैं-

(अ) 35 **(ब) 30** (स) 25 (द) 20

47. चरकसंहिता कितने स्थानों में विभक्त है-

(अ) 8 (ब) 9 (स) 10 (द) 11

48. चरकसंहिता के निदानस्थान में कितने अध्याय हैं-

(अ) 11 (ब) 10 **(स) 8** (द) 7

49. चरकसंहिता के विमानस्थान में कितने अध्याय हैं-

(अ) 7 **(ब) 8** (स) 9 (द) 10

50. चरकससंहिता के शारीरस्थान में कितने अध्याय है-

(अ) 8 (ब) 12 (स) 16 (द) 20

51. चरकसंहिता के इन्द्रियस्थान में कितने अध्याय हैं-

(अ) 10 **(ब) 12** (स) 14 (द) 16

52. चरकसंहिता के चिकित्सास्थान में कितने अध्याय हैं-

(अ) 15 (ब) 20 (स) 25 **(द) 30**

53. चरकसंहिता के कल्पस्थान में कितने अध्याय हैं-

(अ) 6 (ब) 8 **(स) 12** (द) 20

54. चरकसंहिता के सिद्धिस्थान में कितने अध्याय हैं-

(अ) 12 (ब) 14 (स) 16 (द) 18

55. चरकसंहिता पर चक्रपाणि की टीका का क्या नाम है-

(अ) तत्त्वचन्द्रिका (ब) जल्पकल्पतरु **(स) आयुर्वेददीपिका** (द) चरकपञ्जिका

56. चरकसंहिता पर शिवदाससेन की व्याख्या का क्या नाम है-

(अ) आयुर्वेदप्रदीपिका **(ब) तत्त्वचन्द्रिका** (स) चरकन्यास (द) चरकपञ्जिका

57. चरकचतुरानन की उपाधि से किसे विभूषित किया गया है-

(अ) चक्रपाणि (ब) गंगाधरराय (स) स्वामिकुमार (द) शिवदाससेन

58. सुश्रुत ने किसके उपदेशों का संग्रह करके सुश्रुतसंहिता का निर्माण किया-

(अ) आत्रेय **(ब) धन्वन्तरि** (स) दोनों (द) दोनों में से कोई नहीं

59. सुश्रुतसंहिता का निर्माण कितने स्तरों पर हुआ है-

(अ) 2 (ब) 3 **(स) 4** (द) 5

60. सुश्रुतसंहिता का तीसरा प्रतिसंस्कार किसने किया-

(अ) नागार्जुन (ब) सुश्रुत (स) वृद्धसुश्रुत (द) चन्द्रट

61. सुश्रुतसंहिता का चौथा प्रतिसंस्कार किसने किया-

(अ) नागार्जुन (ब) सुश्रुत (स) भेल **(द) चन्द्रट**

62. सुश्रुतसंहिता कितने स्थानों में विभक्त है-

(अ) 4 **(ब) 5** (स) 6 (द) 7

63. सुश्रुतसंहिता के सूत्रस्थान में कितने अध्याय हैं-

(अ) 46 (ब) 44 (स) 42 (द) 10

64. सुश्रुतसंहिता के निदानस्थान में कितने अध्याय हैं-

(अ) 12 (ब) 14 **(स) 16** (द) 18

65. सुश्रुतसंहिता के शरीरस्थान में कितने अध्याय हैं-

(अ) 7 (ब) 8 (स) 9 **(द) 10**

66. सुश्रुतसंहिता के चिकित्सास्थान में कितने स्थान हैं-

(अ) 38 **(ब) 40** (स) 42 (द) 44

67. सुश्रुतसंहिता के कल्पस्थान में कितने अध्याय हैं-

(अ) 8 (ब) 10 (स) 12 (द) 14

68. सुश्रुतसंहिता पर चक्रपाणि की व्याख्या का क्या नाम है-

(अ) भानुमती (ब) न्यायन्द्रिका (स) निबन्धसंग्रह (द) इनमें से कोई नहीं

69. सुश्रुतसंहिता पर डल्हण की व्याख्या का क्या नाम है-

(अ) भानुमती (ब) न्यायचन्द्रिका **(स) निबन्धसंग्रह** (द) इनमें से कोई नहीं

70. सुश्रुतसंहिता पर गयदास की टीका का क्या नाम है-

(अ) भानुमती **(ब) न्यायचन्द्रिका** (स) निबन्धसंग्रह (द) इनमें से कोई नहीं

71. सुश्रुतसहस्रनयन किसे कहा जाता है-

(अ) चक्रपाणि (ब) गयदास (स) डल्हण (द) इनमें से कोई नहीं

72. अष्टाङ्गहृदय के रचयिता कौन हैं-

(अ) चक्रपाणि (ब) गयदास **(स) वाग्भट** (द) बंगसेन

73. अष्टाङ्गहृदय कितने स्थानों में विभक्त है-

(अ) 5 **(ब) 6** (स) 7 (द) 8

74. अष्टाङ्गहृदय के सूत्रस्थान में कितने अध्याय हैं-

(अ) 24 (ब) 26 (स) 28 **(द) 30**

75. अष्टाङ्गहृदय के शारीरस्थान में कितने अध्याय हैं-

(अ) 6 (ब) 8 (स) 10 (द) 12

76. अष्टाङ्गहृदय के निदानस्थान में कितने कितने अध्याय हैं-

(अ) 8 (ब) 12 **(स) 16** (द) 20

77. अष्टाङ्गहृदय के चिकित्सास्थान में कितने अध्याय हैं-

(अ) 18 **(ब) 22** (स) 30 (द) 40

78. अष्टाङ्गहृदय के कल्पस्थान में कितने अध्याय हैं-

(अ) 6 (ब) 10 (स) 15 (द) 25

79. अष्टाङ्गहृदय के उत्तरस्थान में कितने अध्याय हैं-

(अ) 30 (ब) 35 **(स) 40** (द) 45

80. अष्टाङ्गहृदय पर अरुणदत्त की टीका का क्या नाम है-

(अ) सर्वाङ्गसुन्दरी (ब) आयुर्वेदरसायन (स) पदार्थचन्द्रिका (द) शशिलेखा

81. अष्टाङ्गहृदय पर हेमाद्रि की टीका का क्या नाम है-

(अ) सर्वाङ्गसुन्दरी **(ब) आयुर्वेदरसायन** (स) पदार्थचन्द्रिका (द) शशिलेखा

82. अष्टाङ्गहृदय पर चन्दनन्दन की टीका का क्या नाम है-

(अ) सर्वाङ्गसुन्दरी (ब) आयुर्वेदरसायन **(स) पदार्थचन्द्रिका** (द) शशिलेखा

83. अष्टाङ्गहृदय पर इन्दु की टीका का क्या नाम है-

(अ) सर्वाङ्गसुन्दरी (ब) आयुर्वेदरसायन (स) पदार्थचन्द्रिका **(द) शशिलेखा**

84. इनमें से कौन सी रचना बृहत्त्रयी के अन्तर्गत परिगणित है-

(अ) चरकसंहिता (ब) सुश्रुतसंहिता (स) अष्टाङ्गहृदय **(द) सभी**

85. माधवनिदान के रचनाकार हैं-

(अ) माधवकर (ब) माधवप्रसाद (स) माधवानन्द (द) माधवशेखर

86. माधवनिदान का मूल नाम है-

(अ) द्रव्यगुणसंग्रह **(ब) रोगविनिश्चय** (स) पदार्थविवेचन (द) इनमें से कोई नहीं

87. इनमें से कौन सी रचना लघुत्रयी के अन्तर्गत परिगणित है-

(अ) भावप्रकाश (ब) शार्ङ्गधरसंहिता (स) माधवनिदान **(द) सभी**

88. शार्ङ्गधरसंहिता के रचयिता है-

(अ)शार्ङ्गधर (ब) शार्ङ्गधरसेन (स) शार्ङ्गधरानन्द (द) इनमें से कोई नहीं

89. शार्ङ्गधरसंहिता में कितने अध्याय हैं-

(अ) 28 (ब) 30 **(स) 32** (द) 34

90. नाड़ी परीक्षा का सर्वप्रथम उल्लेख किस ग्रन्थ में मिलता है-

(अ) भावप्रकाश **(ब) शार्ङ्गधरसंहिता** (स) माधवनिदान (द) बंगसेनसंहिता

91. भावप्रकाश के रचयिता कौन हैं-

(अ) भावमिश्र (ब) भावशर्मा (स) भावप्रसाद (द) इनमें से कोई नहीं

92. लघुत्रयी का सबसे अन्तिम ग्रन्थ कौन सा है-

(अ) भावप्रकाश (ब) शार्ङ्गधरसंहिता (स) माधवनिदान (द) बंगसेनसंहिता

93. बृहत्त्रयी का अन्तिम ग्रन्थ कौन सा है-

(अ) चरकसंहिता **(ब) अष्टाङ्गहृदय** (स) सुश्रुतसंहिता (द) इनमें से कोई नहीं

94. वियद्-वायु-वह्नि-वारि-वसुन्धरा-इन वकारादि शब्दों से पञ्चमहाभूत की परिगणना करने वाले आचार्य हैं-

(अ) भावमिश्र (ब) शार्ङ्गधर (स) माधवकर (द) बंगसेन

95. "आयुरस्मिन् विद्यते अनेन् वा आयुर्विन्दति इति आयुर्वेदः"- यह आयुर्वेद की ..... है।

(अ) निरूक्ति (ब) व्युत्पत्ति (स) परिभाषा (द) लक्षण

96. आयुर्वेद की व्यवहारिक परिभाषा किस आचार्य ने दी है?

(अ) चरक (ब) सुश्रुत (स) काश्यप **(द) भावप्रकाश**

97. आयुर्वेद का प्रयोजन है-

(अ) स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा करना

(ब) रोगी के रोग का उन्मूलन करना

(स) दोनों (द) दोनों में से कोई नहीं

98. निम्नलिखित में किसके संयोग को आयु कहते हैं?

(अ) शरीर, सत्व, बुद्धि, आत्मा (ब) सत्व, आत्मा, शरीर

(स) शरीर, बुद्धि, आत्मा **(द) शरीर, इन्द्रिय, सत्व, आत्मा**

99. 'चेतनानुवृत्ति' किसका पर्याय है।

(अ) मन (ब) आत्मा (स) शरीर **(द) आयु**

100. शालक्य तंत्र को ऊर्ध्वांग की संज्ञा किसने दी है?

(अ) चरक (ब) सुश्रुत **(स) वाग्भट** (द) भावप्रकाश

101. 'दूषयन्तीति दोषाः' - किसका कथन है।

(अ) चरक (ब) सुश्रुत (स) अष्टांगहृदय (द) शारङ्गधर

102. वृद्धावस्था में कौनसे दोष का प्रकोप होता है।

(अ) वात (ब) पित्त (स) कफ (द) रक्त

103. वाग्भट्टानुसार हृदय और नाभि के ऊपर कौनसे दोष का स्थान रहता है।

(अ) वात (ब) पित्त **(स) कफ** (द) उपर्युक्त सभी

104. पूर्वाह्न में कौन से दोष का प्रकोप होता है।

(अ) वात (ब) पित्त **(स) कफ** (द) त्रिदोषश्

105. भोजन परिपाक काल के मध्य में कौन से दोष का प्रकोप होता है।

(अ) वात **(ब) पित्त** (स) कफ (द) इनमें से कोई नहीं

106. अपराह्न में किस दोष का प्रकोप होता है।

(अ) वात (ब) पित्त (स) कफ (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

107. मध्यरात्रि में किस दोष का प्रकोप होता है।

(अ) वात **(ब) पित्त** (स) कफ (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

108. बुद्धि, इन्द्रिय, हृदय और मन का धारण करना - कौनसी वायु का कर्म है ?

(अ) प्राण वायु (ब) उदान वायु (स) व्यान वायु (द) समान वायु

109. आहार का परम धाम होता है।

(अ) शुक्र (ब) ओज (स) रसधातु (द) रक्त

110. आहार पाचक अग्नि है?

(अ) जठराग्नि (ब) धात्वग्नि (स) दोषाग्नि (द) भूताग्नि

111. कौनसी प्रकृति श्रेष्ठ होती है।

(अ) वातज (ब) पित्तज (स) कफज **(द) सम**

112. 'महत्' किसका पर्याय है।

(अ) वायु का (ब) मन का **(स) हृदय का** (द) आत्मा का

113. 'हिताहितं सुखं दुःखमायुस्तस्य हिताहितम्। मानं चतच्च यत्रोक्तमायुर्वेदः स उच्यते।'- यह आयुर्वेद की ..... है।

(अ) निरुक्ति (ब) व्युत्पत्ति **(स) परिभाषा** (द) फलश्रुति

114. व्याधि का अधिष्ठान है।

(अ) शरीर (ब) मन **(स) मन और शरीर** (द) मन, शरीर,इन्द्रियाँ